दैनिक जागरण

04.12.2014

4 | दैनिक जागरण मुरादाबाद,, 4 दिसंबर 2014

विदेश नीति के मुद्दे पर सजग रहें युवा

- आइएफटीएम विवि में हुई कार्यशाला में भारत की भूमिका पर चर्चा
- आइसीडब्लूए डिप्टी डायरेक्टर नागेंद्र ने विद्यार्थियों को बताई विदेश नीति

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : विदेश मंत्रालय से संबद्ध संस्था इंडियन काउंसिल फॉर वर्ल्ड अफेयर्स (आइसीडब्लूए) और आइएफटीएम विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय में कार्यशाला हुई। जिसमें आइसीडब्लूए डिप्टी डायरेक्टर नागेंद्र सक्सेना ने विद्यार्थियों को विदेश नीति और विश्व पटल पर भारतीय भूमिका के बारे में बताया। इस दौरान वाद-विवाद और निबंध प्रतियोगिता भी हुई। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

कार्यशाला में विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं आइसीडब्लूए के डिप्टी डायरेक्टर जनरल नागेंद्र सक्सेना ने विश्व मामलों में भारतीय भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा विश्व पटल पर भारतीय भूमिका से उसका आर्थिक-सामाजिक विकास किस दिशा में बढ़ रहा है, इसका पता चलता रहता है। इसलिए युवाओं के बीच विदेश नीति और भारतीय अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जानकारी होना बहुत ही जरूरी है। उन्होंने बताया कि आइसीडब्लूए का उद्देश्य शिक्षण संस्थाओं के सहयोग से विद्यार्थियों को इस महत्वपूर्ण पहलू से अवगत कराना है और विदेश नीति के विभिन्न पहलुओं को लेकर उनमें जागरूकता पैदा करना है। काबिलेगौर है कि विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आइसीडब्लूए) विदेश मंत्रालय की टीयर टू थिंक टैंक संस्था है जिसकी विदेशी नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका है।

विश्व मामलों पर अर्थ विशेषज्ञ व वरिष्ठ पत्रकार मधुरेंद्र सिन्हा ने विद्यार्थियों को भारत और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को रेखांकित करते हुए नई सरकार के गठन के बाद भारतीय कूटनीतिक प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कुलपति डा. आरएम दूबे ने आइसीडब्लूए के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आखिर में उप निदेशक जनरल श्री सक्सेना ने निबंध और वाद

आइएफटीएम की कार्यशाला में बोलते नागेंद्र सक्सेना।

विवाद प्रतियोगिता में विजयी विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम संचालन में डॉ. मंजुला जैन, डॉ. आदित्य शर्मा, प्रो. एमआइएच अंसारी एवं अपर निदेशक सरसिज त्रिपाठी का सक्रिय सहयोग रहा।